VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1420)

Name of Candidate	Mohan Lal		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	356415
Center		Date	07-dec-20

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All th

1420

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Man is not only a product of his environment but can also modify the environment. Do you agree with this view? Justify your answer with suitable examples. **(150 words) 10**

मनुष्य न केवल अपने परिवेश का उत्पाद है, बल्कि वह परिवेश को रूपांतरित भी कर सकता है। क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध करें।

मानव सभ्यता स्थावर न होकर गतिशील है, इस संदर्भ में मनुष्य अपने अनुभवों, विचारों व अभिव्यक्ति द्वारा अपने परिवेश को रूपांतरित भी कर सकता है।

जैसे- वर्ण व्यवस्था के रूप में प्राचीन भारत की प्रचार व्यवस्था वर्तमान में शहरीकरण, औद्योगीकरण तथा वैश्वीकरण के कारण रूपांतरित हो गये हैं।

इसके अतिरिक्त मनुष्य निम्न प्रकार से परिवेश को रूपान्तरित करता है :-

→ अंतर्संबंधो द्वारा :-

मनुष्य - मनुष्य, मनुष्य - पर्यावरण आदि।

→ अभिरुचि बदलाव ; जैसे-

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्राचीन समय में तकनीकी अभाव में हस्तशिल्प उद्योगों में रहा, वही वर्तमान में उच्च कौशल युक्त तकनीकी क्षेत्रों की ओर है।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि मनुष्य न केवल अपने परिवेश का उत्पाद है, बल्कि इसे ~~स्थापि~~ रूपान्तरित भी कर रहा है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) Though it may seem that accountability and efficiency are antithetical to each other, accountability is a sine qua non for good governance. Discuss. **(150 words) 10**

हालांकि यह प्रतीत हो सकता है कि जवाबदेही और दक्षता एक-दूसरे के प्रतिपक्षी हैं, किंतु जवाबदेही सुशासन के लिए अपरिहार्य और आवश्यक है। विवेचना कीजिए।

जवाबदेही का अर्थ अपने कार्यों के औचित्य सिद्ध करने की कार्यवाही से है, जबकि दक्षता उस कार्यवाही के परिणाम को दर्शाती है।

जवाबदेही एवं दक्षता एक दूसरे के प्रतिपक्षी हो सकती है जैसे :-

किसी लोकसेवक द्वारा संवेदनशील सूचना का प्रकटीकरण जवाबदेही को दर्शाता है, जबकि इस सूचना के नकारात्मक प्रभाव दक्षता को घटा सकते है।

जवाबदेही की प्रशासन में भूमिका :-

→ प्रशासन को नागरिक केन्द्रित बनाता है।

→ पारदर्शिता में सुधार (जैसे - RTI अधिनियम, 2005 के द्वारा)

→ जन कल्याण व सार्वजनिक सेवा वितरणों का संगतीकरण

→ वंचित वर्गों को सामाजिक सहायता (प्रशासन विश्वास आदि) UK की नोलन समिति ने भी

जवाबदेहिता को सुशासन के आठ आधारों में से एक बताया है, अतः सुशासन हेतु जवाबदेहिता आवश्यक एवं अपरिहार्य है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) Gandhian ideals can be of immense help in dealing with the Covid-19 pandemic. Evaluate. **(150 words) 10**

कोविड-19 महामारी से निपटने में गांधीवादी आदर्श अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकते हैं। मूल्यांकन कीजिए।

गांधीवादी दर्शन का मुख्य आधार परोपकार तथा वंचित समुदायों का उत्थान है। यह दर्शन स्वशासन से प्रेरित है।

गांधीवादी दर्शन द्वारा कोविड-19 से निपटने में निम्न सहायता हो सकती है:-

→ <u>ग्राम आधारित व्यवस्था</u> :- जैसे COVID-19 के दौरान पंचायत स्तर पर <u>धर्मार्थ संगठनों</u>, <u>स्वैयसेवकों</u> एवं <u>SHGs</u> द्वारा क्वारंटाइन व भोजन की व्यवस्था करना।

→ <u>सुभेद्य वर्गों के प्रति समानुभूति</u> :- टीकाकरण के दौरान आशा (ASHAs), पैरामेडिकल स्टाफ, वृद्धजन, वंचित महिलाओं आदि हेतु <u>प्राथमिकीकरण</u>

→ <u>आत्मनिर्भर गांव</u> :- इस गांधीवादी दर्शन के अनुसार ग्रामीण स्तर पर

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हस्तशिल्प उद्योगों को पुनर्जीवित करना। (जिला स्तर पर वन डिस्ट्रिक्ट - वन प्रोडक्ट ODOP पहल शुरू की गई है)

→ हालांकि इसके अतिरिक्त COVID-19 से निपटने हेतु सरकारों को मनरेगा में कार्य दिवस बढ़ाने, शहरी मनरेगा शुरू करने एवं तीव्र टीकाकरण प्रक्रिया द्वारा सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) While civil servants have the legal right to undertake post-retirement jobs, it raises key ethical issues. Comment. **(150 words) 10**
यद्यपि सिविल सेवकों को सेवानिवृत्ति के बाद नौकरी करने का विधिक अधिकार है, किंतु इसमें महत्वपूर्ण नैतिक मुद्दे भी उत्पन्न होते हैं। टिप्पणी कीजिए।

सिविल सेवा (आचरण) नियमावली 1964 के अनुसार सेवानिवृत्ति के पश्चात् किसी भी संगठन, संस्था आदि से जुड़ने पर कोई रोक नहीं है, परन्तु इसमें महत्वपूर्ण नैतिक मुद्दे विद्यमान है।

महत्वपूर्ण नैतिक मुद्दे :-

→ **वस्तुनिष्ठता** :- किसी संस्था में शामिल होने से पूर्व सेवा-अवधि के दौरान पूर्वाग्रह, साक्ष्यों आदि की आशंका।

→ **स्वीकृत बनाम जनकल्याण** :- नीति-निर्माण में अनुशंसाओं के दौरान स्वार्थ भावना रखना।

→ **सत्यनिष्ठा एवं पारदर्शिता** :- सिविल सेवक नियुक्तियों में योग्यता से समझौता कर सकता है एवं किसी संगठन की सूचनाओं के प्रेषण में अनियमितता की आशंका।

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भ्रष्टाचार व सद्भावहीनता :- भविष्य लाभ-प्राप्ति हेतु भ्रष्ट आचरण अपना सकता है।

सार्वजनिक सेवा वितरण में निम्न रुचि :- यह सामाजिक न्याय के विरुद्ध है।

सिविल सेवाओं का राजनीतिकरण :- भविष्य की चिंताओं व आकांक्षाओं के कारण प्रतिबद्ध राजनीति अपनाना

ये सभी मुद्दे है, जो सिविल सेवकों की सेवानिवृत्ति के बाद नैतिकता को प्रदर्शित करते है।

इनके समाधान हेतु

नीतिपरक आचार संहिता (कोड ऑफ इथिक्स) में इसको शामिल किया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:
नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। वर्तमान संदर्भ में आपके लिए उनके क्या अर्थ हैं:

(a) Try not to become a man of success but rather try to become a man of value. Albert Einstein **(150 words) 10**

सफल व्यक्ति बनने का प्रयास न करें, बल्कि मूल्यों के लिए जीने वाला व्यक्ति बनने का प्रयास करें। अल्बर्ट आइंस्टीन

अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना सफलता कहलाता है, लेकिन अपने लक्ष्य अर्थात् साध्य एवं साधनों की प्रकृति इनकी नैतिकता आधारित होती है।

उदाहरण - ओसामा बिन लादेन भी एक सफल व्यक्ति था, जिसने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जबकि उसके साध्य व साधन दोनों अनैतिक थे।

इसके विपरीत महात्मा गांधी का साध्य व साधन का सिद्धांत इसके मूल्यों (नैतिकता) के आधार पर व्यक्ति को सफल बनाता है।

→ वर्तमान में उत्तर कोरिया के नेता का अनैतिक कार्य उसको सफल बना

सकता है लेकिन इसमें नैतिक मूल्यों जैसे- सद्भाव, शान्ति, सुरक्षा इत्यादि का समावेश है।

अतः कहा जा सकता है कि सफल व्यक्ति बनने हेतु साधनों के रूप में मूल्यों का होना आवश्यक होता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) Having knowledge of an unethical act and allowing it to continue can spread a contagion that can affect multiple beings in society. Bertrand Russell **(150 words) 10**

अनैतिक कार्य का ज्ञान होने और इसके बावजूद उसे जारी रहने देने से एक प्रकार का संक्रमण फैल सकता है जो समाज में अनेक व्यक्तियों को प्रभावित कर सकता है। बर्ट्रेंड रसेल

बर्ट्रेंड का यह कथन वर्तमान संदर्भ में उपयोगित उदाहरण के द्वारा समझा जा सकता है-

किसी सरकारी विभाग में अधिकारी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा रिश्वत लेना, जो अनैतिक कार्य का ज्ञान होने के बावजूद उसे जारी रहने देता है।

इसका निम्न प्रभाव उत्पन्न हो सकता है;

→ इन अधिकारियों को प्रेरणा के रूप में मानकर अन्य विद्यार्थी व उनके परिवार के बच्चे अनैतिक कार्यों में संलिप्त हो सकते हैं।

→ भ्रष्टाचार, कुआचरण, सामाजिक अशांति इत्यादि अनैतिक कृत्यों का जन्म हो सकता है।

→ संगठन या समाज के अन्य ईमानदार व्यक्तियों को प्रभावित करना।

→ नैतिक मानदंडों का ह्रास इत्यादि

इन सभी प्रभावों के कारण समाज में संक्रमण की संभावना एवं अन्य व्यक्तियों के प्रभावित होने की संभावना रहती है।

अतः शुचिता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा जैसे नैतिक मूल्यों को अपनाकर अनैतिकता से समाज को बचाया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस स्थान में कुछ मत लिखें)

4. (a) When people use a common resource without a coordinated plan the result is often a tragedy of the commons in which the resource is depleted. In this context, discuss the various ethical challenges arising out of utilization of Global Commons. (150 words) 10

जब लोग समन्वित योजना के बिना किसी सर्वनिष्ठ संसाधन का उपयोग करते हैं, तो इसके परिणामस्वरूप प्रायः ट्रैजेडी ऑफ कॉमन्स घटित होती है जिसमें संसाधन का अवक्षय हो जाता है। इस संदर्भ में, वैश्विक सर्वनिष्ठ संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न विभिन्न नैतिक चुनौतियों की विवेचना कीजिए।

किसी समन्वित योजना के बिना संसाधनों का उपयोग इसकी प्रभावकारिता को कम करता है। जैसे- किसी योजना की रूपरेखा के बिना खनन आवंटन हो या बिना किसी प्रक्रिया के खनन कार्य का होना।

इस संदर्भ में सर्वनिष्ठ संसाधनों के उपयोग से निम्न नैतिक चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं:-

→ संसाधनों का क्षरण :- संधारणीय सिद्धांत के विपरित जिससे भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं की अनदेखी करना।

→ इष्टतम लाभ सिद्धांत :- असंधारणीय उपयोग इसके लाभों को कम करता है। (जैसे- मनरेगा की समन्वित योजना से

VISION IAS™

यह देखा गया कि भारत में गरीबी उन्मूलन हेतु सकारात्मक संकेत दिये हैं। जैसे - WB के अनुसार 217 मिलियन गरीबी से बाहर)

पर्यावरणीय नीतिशास्त्र :- वैश्विक संसाधनों के प्रयोग से CO_2 उत्सर्जन, SLR (समुद्री जल स्तर वृद्धि), जैव-विविधता हानि इत्यादि की समस्या

→ अंतर्राष्ट्रीय अशांति, स्थायित्व दुर्नीतियाँ आदि।

अतः इन वैश्विक सर्वनिष्ठ संसाधनों के उपयोग से संबंधित नीतिशास्त्र का विकास एवं समान उत्तरदायित्व इन नैतिक दुर्नीतियों से निपटने में सहायता कर सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** While a code of conduct merely establishes minimal standards of conduct, a better strategy to promote ethical work culture is through internalization of values. Discuss. **(150 words) 10**

जबकि आचार संहिता केवल आचरण के न्यूनतम मानकों को स्थापित करती है, नैतिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए मूल्यों का आंतरीकरण बेहतर रणनीति है। विवेचना कीजिए।

आचार संहिता के अंतर्गत किसी संस्था या संगठन से संबंधित 'क्या करना' व 'क्या नहीं करना' का समुच्चय होता है।

वहीं संगठन की नैतिकता हेतु मूल्यों का आंतरीकरण अर्थात आचरण संहिता (कोड ऑफ एथिक्स) एक बेहतर कदम होगा।

इसके निम्न कारण हैं :-

→ अंतःकरण की भावना :- किसी कृत्य के दौरान आत्मसंतुष्टि के आधार पर सही-गलत निर्णय लेने में सहायता।

→ ईमानदारी, सत्यनिष्ठा व वस्तुनिष्ठता की भावना

→ इमोशनल इंटेलिजेंस (EQ) द्वारा संगठन में कर्मचारियों से जुड़ाव की भावना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सहानुभूति, समानुभूति, संवेदनशीलता, करुणा इत्यादि जैसे आंतरिक गुणों का विकास जो नैतिक कार्य संस्कृति को बढ़ाते हैं।

अतः कहा जा सकता है कि आंतरिक मूल्यों द्वारा कार्यस्थल पर नैतिक संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस हेतु प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए।

margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

5. (a) A state that does not have the political will and the discipline to enforce probity in governance, can not get rid of the menace of prolonged corruption. Discuss. (150 words) 10

वह राज्य जिसमें शासन में ईमानदारी को प्रवर्तित करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति और अनुशासन नहीं है, वह दीर्घकाल से व्याप्त भ्रष्टाचार की समस्या से छुटकारा नहीं पा सकता है। विवेचना कीजिए।

शासन के विभिन्न नैतिक आयामों के तहत शासन में सुचिता ही किसी राज्य के स्थायित्व एवं सुआचरण को निर्धारित करती है। जैसे- कंपनी का उदाहरण ले तो AIRCEL का विघटन।

शासन में प्रोबिटी का महत्व :-

→ नागरिकों का प्रशासन में विश्वास बढ़ता है।

→ प्रशासन - नागरिक अंतराल कम

→ ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, निःस्वार्थता इत्यादि को बढ़ावा।

प्रोबिटी के निर्धारक तत्व :-

→ विधी कार्यकारी द्वारा (उदा० के तौर पर भारत में सूचना का अधिकार अधि० - 2005)

→ संवैधानिक व नैतिक आदर्शों द्वारा (संप्रभुता, न्याय, समता आदि)

Don't write anything in this margin
इस भाग में कुछ ना लिखें

→ राजनीतिक इच्छाशक्ति
→ अनुशासन → जैसे - प्रशासन में अनुशासन हेतु केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1964)

शासन में नैतिकता की कमी से उत्पन्न समस्या :-

→ उच्च भ्रष्टाचार, सामाजिक पतन
→ प्रशासन अत्याधिक वृद्धि व जन-विश्वास कमी आदि।

इस हेतु 2nd A-RC (प्रशासनिक सुधार आयोग) ने अपनी चौथी रिपोर्ट 'शासन में नैतिकता' में प्रोबिटी को शासन व्यवस्था का मूल मंत्र भी माना है।

5. **(b)** India cannot march successfully in to the 21st century with the administrative system having a colonial mindset. Discuss in context of the bureaucratic work culture in India. **(150 words) 10**

भारत औपनिवेशिक मानसिकता वाले प्रशासनिक तंत्र के साथ 21वीं शताब्दी में सफलतापूर्वक प्रगति नहीं कर सकता है। भारत में नौकरशाही कार्य संस्कृति के संदर्भ में विवेचना कीजिए।

भारत में नौकरशाही की औपचारिक शुरुआत लॉर्ड कॉर्नवालिस ने (1793-03) के समय की थी।

वर्तमान प्रवृत्ति जो औपनिवेशिक मानसिकता आधारित है :-

→ गोपनीयता :- OSA, 1923 (आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923) शासन में अपारदर्शिता लाता है।

→ सार्वजनिक सेवा उदासीनता :- चूंकि संविधान के अनुच्छेद 311 के तहत लोक सेवकों को उनको नियुक्त करने वाला प्राधिकरण ही हटा सकता है, अतः इनकी जन-कल्याण हेतु निम्न रुचि पायी जाती है।

→ प्रशासनिक नौकरशाही - नागरिक के मध्य संबंधों में उच्च अंतराल

→ नौकरशाही का राजनीतिकरण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ स्वतः सूचना प्रकटीकरण व जवाबदेहिता हेतु सूचना संस्कृति का अभाव इत्यादि।

ये सभी मुद्दे हैं जिनके निवारण हेतु 21वीं सदी में प्रशासनिक सफलता की औपनिवेशिक मानसिकता से निपटा जा सकता है।

इसके समाधान हेतु 2nd ARC ने भी अनुच्छेद 311 को हटाने एवं OSA, 1923 को हटाने एवं इसके कुछ प्रावधानों को NSA, 1980 (राष्ट्रीय सुरक्षा अधि॰) में शामिल करने की अनुशंसा की है।

Don't write anything this margin (इस हाशिए में कुछ न लिखें)

6. Which corporate leader has inspired you the most and what moral lessons have you learnt from their life? (150 words) 10

किस कॉर्पोरेट नेतृत्वकर्ता ने आपको सबसे अधिक प्रेरित किया है और आपने उनके जीवन से कौन-से नैतिक पाठ सीखे हैं?

हाल ही में यह देखा गया कि विप्रो (Wipro) प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी कुल संपत्ति में से 5000 करोड़ से अधिक संपत्ति को दान (CSR के अंतर्गत) दिया।

इस कॉर्पोरेट नेतृत्वकर्ता (अजीज प्रेमजी) से निम्न नैतिक पाठ सीखने को मिलते हैं :-

→ दया की भावना :- वंचित वर्गों के प्रति समानुभूति की जैसे- अंतःकरण मूल्यों का विकास

→ कर्तव्यों की परिपालना :- नैतिक कर्तव्य के रूप में समाज में योगदान देना

→ नि: स्वार्थ भावना :- अपने स्वार्थ के स्थान पर सर्व-जन कल्याण को प्रोत्साहन प्रदान करना।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस प्रकार ऐसे कॉर्पोरेट निकाय पूरे समाज में सौहार्दपूर्ण संबंधों तथा अपनी सामाजिक नैतिकता के मानकों को प्रस्तुत करते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Increasing participation of people in governance and easy access to information is what transforms governance to good governance. Elaborate. **(150 words) 10**

शासन में लोगों की बढ़ती भागीदारी और सूचनाओं तक सरल पहुँच ही शासन को सुशासन में परिवर्तित करते हैं। विस्तारपूर्वक बताइए।

UNDP (संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम) के अनुसार सुशासन के आठ संकेतकों में से दो - लोगों की बढ़ती भागीदारिता व पारदर्शिता हैं।

सुशासन में लोगों की भागीदारी का महत्व :

शासन में लोगों की भागीदारी वृद्धि

⇓

जन सेवाओं तक पहुँच वृद्धि

⇓

प्रशासन व सरकार के प्रति विश्वास में वृद्धि

⇓

सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समावेशन

⇓

सुशासन स्थापित (लोकतांत्रिकरण द्वारा)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सूचना तक सरल पहुँच का सुशासन से संबंध :-

सूचना तक पहुँच वृद्धि

⇓

जवाबदेहिता व पारदर्शिता में वृद्धि

⇓

सुशासन स्थापित (मोलन समिति ने भी इसे अनुशंसित किया है)

इस हेतु भारत में RTI अधि० 2005 द्वारा सूचनाओं तक सरल पहुँच, सामाजिक अंकेक्षण व नागरिक चार्टर जैसी अवधारणाएं शासन में नागरिक भागीदारी करने के प्रभावी प्रयास हो सकते हैं

VISION IAS™

8. It is sometimes believed that moral scrupulousness in one's private life automatically guarantees high moral stature in professional life. Do you agree? Justify your stand with logical arguments. **(150 words) 10**

कभी-कभी यह माना जाता है कि किसी के निजी जीवन में नैतिक सत्यनिष्ठा, स्वत: ही पेशेवर जीवन में उच्च नैतिक उच्चता की गारंटी देती है। क्या आप सहमत हैं? न्यायसंगत तर्कों के माध्यम से अपने दृष्टिकोण का औचित्य सिद्ध कीजिए।

नैतिक सत्यनिष्ठा का अर्थ -

अपने कृत्यों के दौरान किसी भी वित्तीय लाभ (परिवार, मित्र सोहन) से परे सत्यता व ईमानदारी को अपनाना है।

नैतिक सत्यनिष्ठा व पेशेवर जीवन में उच्च नैतिकता के बीच संबंध :-

→ सामान्य स्थिति में किसी लोकसेवक या अन्य कर्मचारी को सत्यनिष्ठा पेशेवर जीवन में सहायता कर सकती है।

जैसे - निष्पक्षता का सिद्धांत (किसी लोकसेवक द्वारा सभी समान)

परन्तु निम्न स्थितियों में नैतिक सत्यनिष्ठा स्वत: पेशेवर जीवन में नैतिक उच्चता की गारंटी नहीं देता है :-

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विभिन्न नैतिक मूल्यों में टकराव :-

- निष्पक्षता बनाम वंचित वर्गों के प्रति करुणा का भाव, गोपनीयता बनाम सूचना प्रकटीकरण आदि।

अतः नैतिक सत्यनिष्ठा हालांकि अच्छे - बुरे, सही - गलत निर्धारण हेतु एक उच्च नैतिक मानदंड है लेकिन इसको अन्य नैतिक मानदंडों के साथ संयोजित करना चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are working as a District Magistrate in an aspirational district where women literacy and sex ratio is one of the lowest in the country. It is brought to your notice that a woman who has been elected as 'Sarpanch' on a seat reserved for women candidates in a panchayat in your district is head 'only on the paper'. All the work related to the panchayat is actually carried out by her husband. Even the flag hoisting ceremony on Independence Day is carried out by her husband. However, her husband happens to be a good administrator as indicated by that panchayat's performance on various developmental parameters as compared to other panchayats in the district. Also, her husband enjoys the support of the local people. Given the situation, answer the following:

(a) Identify the stakeholders and issues involved in this case?

(b) What options are available to you as the District Magistrate in such a scenario? Also, evaluate each option and indicate what option will you choose. **(20)**

आप एक आकांक्षी जिले में जिलाधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं जहां महिला साक्षरता और लिंगानुपात देश में सबसे कम में से एक है। आपके ध्यान में यह बात लाई जाती है कि आपके जिले की एक पंचायत में महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सीट पर 'सरपंच' के रूप में चुनी गई एक महिला केवल 'कागजों पर ही सरपंच' हैं। पंचायत से संबंधित सभी कार्य वास्तव में उनके पति द्वारा संपन्न किए जाते हैं। यहां तक कि स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण समारोह की अध्यक्षता भी उनके पति द्वारा की जाती है। हालांकि, जिले की अन्य पंचायतों की तुलना में विभिन्न विकास मापदंडों पर पंचायत के प्रदर्शन से मिलने वाले संकेतों से पता चलता है उनके पति एक अच्छे प्रशासक हैं। साथ ही, उनके पति को स्थानीय लोगों का समर्थन भी प्राप्त है।

उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस मामले में सम्मिलित हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए?

(b) ऐसे परिदृश्य में जिलाधिकारी के रूप में आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? साथ ही, प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और इंगित कीजिए कि आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे।

उपरोक्त केस स्टडी में अधिकारों की प्राप्ति जनाम उनके उपयोग करने संबंधी पहलुओं का समावेशन है।

VISION IAS™

(a) मामले में प्रमुख हितधारक :-

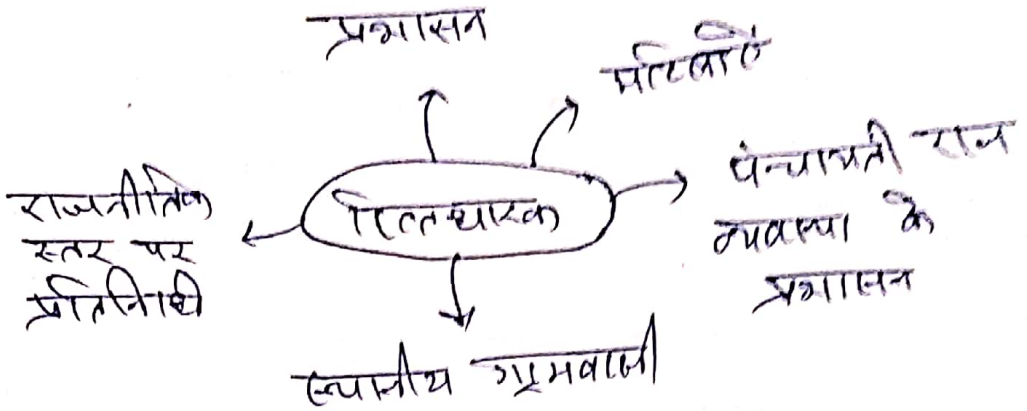

प्रमुख मुद्दे :-

→ अधिकारों का अतिक्रमण :- पति द्वारा पत्नि के अधिकारों का उपयोग करना

→ विधि का गैर- अनुपालन :- 73 वें सवि॰ संशोधन अधि॰ द्वारा स्पष्ट रूप से इसका उल्लेख

→ विधि संबंधित जानकारी का अभाव :- स्थानीय ग्रामवासी में जागरूकता का अभाव

→ संविधान की भावना के विरुद्ध :- समानता, सर्वोत्रता, राजनीतिक अधिकार आदि का हनन।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) जिलाधिकारी के रूप में मेरा दायित्व है कि 'विधि का अनुपालन' सुनिश्चित हो, इस हेतु मेरे पास निम्न विकल्प मौजूद हैं :-

(i) सर्वप्रथम उस पंचायत के बारे में प्राप्त सूचना का सत्यापन करूँगा

(ii) अगर सूचनादाता द्वारा दी गई सूचना सही है, तब आगे की कार्यवाही निम्न रहेगी :-

(1) → सरपंच के पद पर महिला, उसके पति एवं अन्य ग्राम सभा के सदस्यों से इस स्थिति पर विचार-विमर्श, एवं उन्हें इस गैर-वैधिक कृत्य के बारे में अवगत कराऊँगा।

(2) → चूंकि बागजात के रूप में हस्ताक्षर खुद महिला के हैं, अतः सीधे तौर पर कार्यवाही न कर ग्रामवासियों को महिला आरक्षण का महत्व समझाने हेतु मीटिंग का आयोजन करूँगा।

Visit us : www.visionias.in

Call us : 8468022022, 9019066066

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ इससे सकारात्मक कार्यवाही न होने पर कानून के अनुसार विधिक कदम उठाऊँगा एवं प्रयाप्त सबूतो के आधार पर न्यायिक कार्यवाही करने का प्रयास करूँगा।

मेरा विकल्प (P) रहेगा, क्योंकि चूंकि पति एक अच्छा प्रशासक भी है एवं स्थानीय समर्थन भी प्राप्त है तो जहाँ तक विधिक अतिक्रमण प्रत्यक्षतः न हो, सलाह एवं बातचीत द्वारा महिला अधिकारों को प्रवर्तित करने का प्रयास करूँगा।

10. The issues confronting humanity are multifaceted - from political conflicts and human rights abuses to pandemics and climate change. They are not contained within national borders, nor do they fit into the silos of separate government agencies or academic specialties. What is required is greater international cooperation, mutual respect, abiding by international laws and participative global decision-making. However, over the last decade, it has been observed that international relations have overshadowed these basic tenets of global governance and now we are at the verge of serious global catastrophic risks. When it comes to the structures of global governance, business as usual, is no longer an option. Not only an improvement in our understanding of risks is required but also taking responsibility to lead collective action for a coordinated global response.

(a) What do you think are the factors hindering collective actions?

(b) Provide a case for the moral obligation of the international community to come together and find solutions to the problems we face.

(c) What should be the principles guiding such international cooperation? **(20)**

मानवता के सामने राजनीतिक संघर्षों और मानव अधिकारों के दुरुपयोग से लेकर महामारी और जलवायु परिवर्तन तक के बहुआयामी मुद्दे हैं। वे राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। न ही वे अलग-अलग सरकारी एजेंसियों या अकादमिक विशिष्टताओं के पृथक-पृथक निकायों में समायोजित होते हैं। इन्हें संबोधित करने के लिए अधिक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, परस्पर सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करने और मिलजुल कर वैश्विक निर्णय लेने की आवश्यकता है। हालांकि, पिछले एक दशक में, यह देखा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय संबंधों ने वैश्विक शासन के इन मूलभूत सिद्धांतों को नेपथ्य में धकेल दिया है और अब हम गंभीर वैश्विक विनाशकारी जोखिमों की अंतिम सीमाओं पर पहुंच गए हैं। जब वैश्विक शासन की संरचनाओं की बात आती है, तो हमेशा की तरह व्यापार करते रहना, अब कोई विकल्प नहीं है। न केवल जोखिमों के विषय में हमारी समझ में सुधार किए जाने, अपितु समन्वित वैश्विक अनुक्रिया के लिए सामूहिक कार्रवाई का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी लिए जाने की भी आवश्यकता है।

(a) आपके विचार से सामूहिक कार्यों में बाधा उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं?

(b) अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए एकजुट होने और हमारे द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के समाधान निकालने हेतु नैतिक दायित्व का औचित्य सिद्ध करने हेतु प्रकरण प्रस्तुत कीजिए?

(c) इस प्रकार के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु दिशा-निर्देशक सिद्धांत क्या होने चाहिए?

यह केस स्टडी वर्तमान वैश्वीकरण विश्व के सामने उत्पन्न पर्यावरणीय, मानव-जनित त्रुटियों, सुरक्षा, शांति, न्यायिकत्व जैसे मुद्दो

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

की ओर ध्यान आकर्षित कराती हैं।

(a) सामूहिक कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले कारक :-

-> राजनीतिक संघर्ष (जैसे - अमेरिका-चीन के बीच, भारत-चीन के बीच)

-> मानवाधिकारों का दुरुपयोग :- जैसे- (उत्तर कोरिया में तानाशाही)

-> परस्पर सम्मान की भावना न होना

-> समन्वित निर्णय हेतु मंचों का राजनीतिकरण (जैसे- WHO के संदर्भ में चीन पर आरोप लगाना)

-> अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का अभाव

-> जलवायु परिवर्तन शमन व अनुकूलन प्रतिबद्धता के प्रति रुचि का अभाव

-> अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गुट प्रणाली (जैसे- NATO व USSR (पूर्व) के बीच)

ये सभी कारक सामूहिक कार्य में बाधा के साथ-साथ सामूहिक कार्यवाही में बाधा पहुँचाते हैं

(b) वैश्विक स्तर पर समान चुनौतियों से निपटने हेतु सामूहिक कार्यवाही की आवश्यकता होती है।

उदाहरण के तौर पर वर्तमान COVID-19 महामारी प्रकरण में वैश्विक सहयोग के शुरुआती स्तर पर कमी से संपूर्ण विश्व में तीव्र संक्रमण फैलना,

इसके समाधान हेतु अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की एकजुटता अति-आवश्यक है, ताकि सार्वभौमिक अधिवास के नैतिक सिद्धांत का पालन हो सके।

इसके अतिरिक्त साझी चुनौतियों से निपटने हेतु ~~संस्था~~ साझे कार्यक्रमों की भी आवश्यकता है।

जैसे- UNFCCC के तहत पेरिस समझौता, GAVI (ग्लोबल एलायंस ~~फॉर~~ फॉर वैक्सीन इम्युनाइजेशन) आदि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1) इस प्रकार के सहयोग हेतु प्रमुख दिशा निर्देशक सिद्धांत :-

→ पर्यावरणीय नीतिशास्त्र :- सामूहिक CO_2 उत्सर्जन कम करना।

→ शांति व स्थायीकरण का विकास :- इन नैतिक मूल्यों के पालन हेतु संस्थागत सहमति की आवश्यकता। (जैसे - UNSC की स्थापना)

→ समानता, स्वतंत्रता व मानवाधिकार :- इन तीनों के अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से परे रखना चाहिए। जैसे - UNHCR, UN-ICCPR आदि।

→ परस्पर सम्मान का सिद्धांत :- जैसे - भारत के पंचशील सिद्धांत (1954) में ही शामिल।)

→ अंतर्राष्ट्रीय कानून पालन :- सम्मान के साथ कानूनों का अनुपालन

→ सामूहिक अस्तित्व का सिद्धांत इत्यादि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

अतः ये सभी सिद्धांत जो नैतिक हैं, के अनुपालन द्वारा वैश्विक चुनौतियों - महामारी, जलवायु-परिवर्तन, संघर्ष आदि से निपटा जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are posted as Superintendent of Police in a district. A case has come up in which more than 30 girls were allegedly raped and sexually exploited at the city shelter home run by an NGO. The scandal came to light when media flagged complaints of sexual abuse of inmates of the city shelter home. A nexus of police, politicians, administration and criminals have been allegedly responsible for the racket going on for the last few years. In light of this, a lot of protests have erupted across the city.
While, on one hand, media glare has meant that people are demanding swift action, you have been asked to go slow in investigating the case by top officers in your department. Elections in the state are due in a few months, so it has become a politically sensitive issue. You are also under immense political pressure from the ruling party to not take strict action and make compromises to cover up the case.
Given the situation, answer the following:
(a) Identify the issues involved in the case.
(b) What are the options available to you? Which of these options will you choose? Justify your stand with logical arguments. **(20)**

आप एक जिले में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त हैं। एक मामला सामने आया है जिसमें एक गैर सरकारी संगठन द्वारा चलाए जा रहे नगर आश्रय गृह (सिटी शेल्टर होम) में 30 से अधिक लड़कियों के साथ कथित रूप से बलात्कार और यौन शोषण किया गया। यह मामला तब सामने आया जब मीडिया ने शहर के आश्रय गृह में अंतेवासियों के यौन शोषण की शिकायतों को उजागर किया। पिछले कुछ वर्षों से चल रहे इस रैकेट के लिए कथित तौर पर पुलिस, राजनेताओं, प्रशासन और अपराधियों की सांठगांठ जिम्मेदार है। इसकी जानकारी मिलने पर संपूर्ण शहर में अनेक विरोध प्रदर्शन हुए हैं।
हालांकि, एक ओर मीडिया के द्वारा इस बात को अधिक से अधिक उछाले जाने का अर्थ यह है कि लोग इस मामले में तत्परतापूर्वक कार्यवाही करने की मांग कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर, आपके विभाग में उच्च अधिकारियों द्वारा आपसे इस मामले की जांच पड़ताल में धीमी गति बनाए रखने के लिए कहा गया है। कुछ ही महीनों में राज्य में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए यह राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामला बन गया है। आप पर भी सत्ताधारी दल की ओर से कड़ी कार्रवाई नहीं करने और मामले को दबा देने के लिए समझौता करवाने का दबाव है।
इन परिस्थितियों में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
(a) प्रकरण में शामिल मुद्दों की पहचान कीजिए।
(b) आपके पास कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? आप इन विकल्पों में से किसका चुनाव करेंगे? इस विषय में अपनी ओर से लिए जाने वाले निर्णय का औचित्य सिद्ध कीजिए।

यह केस स्टडी नौकरशाही का राजनीतिकरण, महिला अधिकारों, प्रशासनिक जिम्मेदारी आदि में अन्तर्दृष्टि को उजागर करती है, जिसमें प्रमुख

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

हितधारक निम्न है-
गृह शेल्टर रहवासी महिला व बच्चीयों, प्रशासन, स्थानीय निवासी, मीडिया, उच्च अधिकारी, राजनेता इत्यादि।

(b) प्रकरण में शामिल मुद्दे निम्न है:-

→ महिला अधिकारों की सुरक्षा तथा शोषण के विरुद्ध अधिकारों की सुरक्षा
→ राजनीतिक अपराधीकरण एवं नौकरशाही का राजनीतिकरण।
→ अपराधी - प्रशासन संबंध
→ नौकरशाही संबंधित नैतिक मुद्दे:-
  → वस्तुनिष्ठता, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी से समय पर कार्य करना आदि।
  → जवाबदेहिता, पारदर्शिता (कार्यप्रणाली) जैसे- अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही आदि।
→ प्रशासन व राजनीतिक से जुड़े मुद्दे:-
  • प्रशासन में जन-विश्वास
  • न्यायिक प्रशासन का विकास आदि।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ मीडिया से जुड़े मुद्दे :-

अनुसंधानीय सूचना प्रकटीकरण, जो न्याय की भावना जगाता है।

(b) SP के रूप में मेरे पास निम्न विकल्प विद्यमान है :-

(i) → सर्वप्रथम मौका मुआयना करूँगा तथा NGO के संचालक को तलब करूँगा एवं संबंधित प्रकरण पर जानकारी प्राप्त करूँगा

(ii) → जानकारी सही पायी जाने पर त्वरित प्रभाव से मेडिकल जाँच का आदेश दूँगा। (चूंकि मेरे ऊपर राजनीतिक व वरिष्ठ अधिकारियों का दबाव है, फिर भी मैं वस्तुनिष्ठता, सत्यनिष्ठता एवं अंतःकरण की भावना के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करूँगा।)

(iii) पुलिस द्वारा त्वरित प्रयास से सभी दोषियों को गिरफ्तार कर त्वरित न्यायिक प्रक्रिया प्रारंभ करने का

Call us : 8468022022, 9019066066

Visit us : www.visionias.in

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आदेश दूँगा

(iv) पीड़ितों हेतु बेहतर पुनर्निवास की व्यवस्था करूँगा।

(v) मामले की पल-पल निगरानी व रिपोर्टिंग करूँगा।

उपरोक्त कार्यवाही द्वारा मैं मेरे निम्न कर्तव्यों व सिद्धांतो का पालन कर पाऊँगा :-

→ शासन में नैतिकता (ईमानदारी, जन-विश्वास प्राप्ति)

→ महिला अधिकारों की प्राप्ति हेतु सक्रिय प्रयास

→ निष्पक्षता व राजनीतिक तटस्थता के सिद्धांत का पालन आदि।

अतः ऐसे संवेदनशील मामलो में मैं तुरन्त POSCO कानून के तहत कार्यवाही करूँगा एवं महिला व लड़कियों को शोषण मुक्त कराऊँगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Being the senior-most IAS officer, you are in line to be promoted as Chief Secretary after the incumbent retires in the next two months. Currently, you are heading the Public Works Department (PWD) and a road construction project worth crores has been opened for tender. A company X belonging to the son-in-law of the incumbent Chief Minister has also applied for the same. The director in charge of the screening process, a young IAS officer, has reported that company Y and the state PSU have submitted the best bids. Both you and the director are facing political pressure to favour the company X. The young IAS officer may be demoralised if you give in to the pressure. But if you don't give in then he may be transferred and your chances of promotion may also suffer. In light of the situation, answer the following:

(a) Discuss the ethical issues faced by you in the given case.

(b) What are the options available to you? Which of these options will you choose? Justify your stand with logical arguments. **(20)**

वरिष्ठतम आईएएस अधिकारी होने के नाते, आप अगले 2 महीनों में पदासीन मुख्य सचिव के सेवानिवृत्त होने के बाद मुख्य सचिव के रूप में पदोन्नत होने वाले हैं। वर्तमान में, आप लोक निर्माण विभाग (PWD) के प्रमुख हैं और करोड़ों की लागत वाली सड़क निर्माण परियोजना के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। वर्तमान मुख्यमंत्री के दामाद से संबंधित एक कंपनी X ने भी इसके लिए आवेदन किया है। स्क्रीनिंग प्रक्रिया के प्रभारी निदेशक, एक युवा आईएएस अधिकारी ने यह रिपोर्ट दी है कि कंपनी Y और राज्य सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रम (PSU) ने सर्वश्रेष्ठ बोलियां प्रस्तुत की हैं। आप और निर्देशक दोनों को ही कंपनी X का पक्ष लेने के लिए राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। यदि आप इस दबाव के सामने हार मान लेते हैं तो युवा आईएएस अधिकारी का मनोबल गिर सकता है। लेकिन यदि आप उनके दबाव के सामने हार नहीं मानते हैं तो उस युवा अधिकारी का स्थानांतरण किया जा सकता है और इसके कारण आपकी पदोन्नति भी प्रभावित हो सकती है। इस स्थिति को देखते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) दिए गए प्रकरण में आपको किन मुद्दों का का सामना करना पड़ रहा है, उसकी विवेचना कीजिए?

(b) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? आप इनमें से कौन-सा विकल्प चुनेंगे? उपयुक्त तर्कों से अपने निर्णय का औचित्य सिद्ध कीजिए।

यह केस स्टडी स्वार्थी, निष्पक्षता, राजनीतिकरण, कुआचरण से संबंधित है जिसमें प्रमुख हितधारक में युवा, युवा अधिकारी, मुख्यमंत्री व प्रशासन है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें।)

(a) दिए गए प्रकरण में निम्न मुद्दे शामिल हैं :-

→ स्वार्थ बनाम निःस्वार्थ
(अगर मैं बोली को X कंपनी के पक्ष में दूँ तो स्वार्थ भावना)

→ निष्पक्षता :- X, Y व PSU सभी को बराबर मानना

→ राजनीतिक तटस्था :- चूंकि मुख्य सचिव के रूप में मेरी नियुक्ति की संभावना है, तो तटस्थता का मुद्दा

→ वस्तुनिष्ठता :- साक्ष्य यह बताते हैं कि Y & PSU अधिक उपयुक्त कंपनी है।

→ पारदर्शिता व जवाबदेहिता :- निविदाओं में सभी कंपनियों की सूचनाओं का प्रकटीकरण। (RTI, अधि० 2005 के तहत बाध्य)

→ अन्य व्यक्ति हित :- युवा IAS अधिकारी साथ व्हीसलब्लोअर संबंधी मुद्दा।

(b) इस स्थिति में मेरे पास विकल्प

(i) इस दबाव की हार मान लूं एवं पदोन्नति पर विचार व स्वार्थ अपनाऊ

(ii) इस दबाव का प्रतिरोध करूँ जो प्रशासनिक नीतिशास्त्र के विरुद्ध भी है।

(iii) उपरोक्त प्रकरण के संबंध में मुख्यमंत्री को अवगत कराऊँ तत्पश्चात निर्णय लूं।

इस हेतु मेरा निर्णय निम्न गुणों व अवगुणों पर निर्भर करेगा :-

(i) केस को मैं स्वीकार नहीं करूंगा क्योंकि इसमें निम्न दोष है-

→ भ्रष्टाचार, ईमानदारी, पारदर्शिता, वस्तुनिष्ठता, सत्यनिष्ठा जैसे नैतिक मूल्यों का अवनयन

→ (विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया) के विरुद्ध एवं संविधान के अनु. 14 का गैर-अनुपालन आदि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) मेरे लिए यह कदम सर्वाधिक उपयुक्त है, क्योंकि इसके

गुण :- → जिम्मेदारी व जवाबदेहिता युक्त निर्णय
→ ईमानदारी पूर्वक निर्णय तथा प्रशासन में नैतिकता स्थापित (क्योंकि युवा IAS अधि० हेतु रोल मॉडल साबित हो सकता हूँ)
→ राजनीतिक तटस्थता एवं मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता

दोष :- पदोन्नति रुकने की संभावना जिसका मेरे लिए अधिक महत्व नहीं होगा।

(iii) इस कदम को प्रारंभिक तौर पर अपनाऊँगा, यदि मुख्यमंत्री इस प्रकरण से अवगत है तो (ii) स्थिति पर आऊँगा।

इस प्रकार मेरे लिए शासन में नैतिकता के साथ समझौता करना अंतःकरण भावना के विरुद्ध भी होगा।

Call us : 8468022022, 9019066066

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. As the head of the Special Purpose Vehicle (SPV), you are tasked to complete the construction of a power plant. The project needs to be completed expeditiously to fulfil the promise made by the government to ensure access to power for all. The selected site is in a remote area and is ideal for plant construction. However, the project would require relocation of the people living in the vicinity. Initially, the local community objected to disruption in their lives but were convinced later about the economic benefits that would accrue to the region through this plant. The project had started gathering pace, but recently a local NGO working for environment protection got involved with the local community regarding the issue. And now the local community has started protesting against any developmental activity in the region.

As the officer-in-charge for the speedy execution of the project, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What course of action will you take and why? **(20)**

विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) के प्रमुख के रूप में, आपको एक विद्युत संयंत्र का निर्माण पूरा करने का काम सौंपा जाता है। सभी के लिए विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सरकार द्वारा किए गए वादे को पूरा करने लिए परियोजना को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता है। चयनित स्थल एक दूरस्थ क्षेत्र में है और संयंत्र निर्माण के लिए आदर्श है। हालांकि, इस परियोजना के लिए निकटवर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों को स्थानांतरित करने की आवश्यकता होगी। प्रारंभ में, स्थानीय समुदाय ने इससे उनके जीवन में पड़ने वाले व्यवधान पर आपत्ति जताई, लेकिन बाद में उन्हें इस संयंत्र के माध्यम से क्षेत्र को होने वाले आर्थिक लाभों के विषय में आश्वस्त किया गया। इस परियोजना ने गति प्राप्त करना प्रारम्भ कर दिया था, लेकिन हाल ही में पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन ने इस मुद्दे के विषय में स्थानीय समुदाय के साथ सहभागिता करके कार्य करना आरंभ कर दिया। और अब स्थानीय समुदाय ने क्षेत्र में किसी भी विकासात्मक गतिविधि का विरोध करना प्रारम्भ कर दिया है।

परियोजना के त्वरित निष्पादन हेतु प्रभारी अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित मुद्दे क्या हैं?

(b) आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों?

उपरोक्त किस हद तक विकास के अन्य सामाजिक, पर्यावरण व आर्थिक संतुलन को किस प्रकार संतुलित किया जाए, का प्रश्न खड़ा करती है।

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित मुद्दे :-

→ पुनर्वास व स्थानांतरण :- संयंत्र स्थापना से स्थानीय निवासियों का स्थानांतरण

→ पर्यावरणीय नीतिशास्त्र

→ आर्थिक अवसरों का मुद्दा :- रोजगार व अवसर सृजन

→ स्थानीय समुदायों के अधिकार

→ NGOs - समुदाय सहभागिता संबंधित मुद्दे

→ परियोजना का तीव्र व प्रभावी निष्पादन संबंधित मुद्दे

→ प्रशासनिक नीतिशास्त्र संबंधित मुद्दे आदि।

ये सभी मुद्दे इस प्रकरण में सम्मिलित हैं जो संयंत्र निर्माण व प्रचलन को प्रभावित करते हैं।

(b) मेरे द्वारा कार्यवाही निम्न चरणों में होगी :-

→ विकासात्मक गतिविधियों के विरोध प्रदर्शन की स्थिति में :-

(a) NGOs के पर्यावरणीय सक्रियतावादियों से वार्ता करूंगा एवं उन्हें ये समझाने का प्रयास करूंगा कि इससे जीवन जीने व गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित होगा।

(b) न मानने पर स्थानीय निवासियों को पुनः सलाह दूंगा कि इसके पूर्ण क्रियान्वयन से शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति से सुधार होगा। अगर कृषि युक्त भूमि है तो कृषि हेतु जल-पंप के लिए बिजली आवश्यकताओं के बारे में जागरूक करूंगा।

(c) न मानने पर स्थानीय नेताओं से संपर्क कर मध्यम मार्ग का प्रयास करूंगा।

(d) चूंकि मुझे यह जिम्मेदारी दी गई है कि इस SPV को समयबद्ध पूरा करूं। इसके लिए

Don't write anything this margin
इस भाग में कुछ न लिखें।

प्रशासनिक मदद व पुलिस बल का सीमित प्रयोग कर विरोध प्रदर्शन को शान्त करूँगा।

इस स्थिति में मेरा दीर्घकालीन प्रयास स्थानीय निवासियों के कल्याण हेतु उन्हें SPV की CSR (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) गतिविधियों से अवगत कराकर समर्थन प्राप्त करने का प्रयास करूँगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ भी न लिखें)

14. Genetic editing has several applications with its potential to edit the genomes of both somatic and germ cells. This allows for the ability to not only cure genetic diseases but to edit the characteristics of future offspring. The last few years have seen the development of several efficient, more precise genetic engineering techniques.
However, with growing sophistication, various issues of bioethics have also have come to the forefront.
(a) Discuss the ethical considerations associated with genome editing.
(b) In the light of these ethical issues, provide an ethical framework on how this technology can be used for the betterment of humanity. **(20)**

जेनेटिक एडिटिंग में कायिक-कोशिकाओं और जनन-कोशिकाओं दोनों के जीनोम को संपादित करने की क्षमता से युक्त कई अनुप्रयोग हैं। इससे न केवल आनुवंशिक रोगों का उपचार करने बल्कि भावी संतानों के लक्षणों को भी संपादित करने की क्षमता प्राप्त होती है। पिछले कुछ वर्षों में कई कुशल, अधिक सटीक जेनेटिक इंजीनियरिंग तकनीकों का विकास होते देखा गया है।

(a) जीनोम एडिटिंग से संबंधित नैतिक चिंताओं की विवेचना कीजिए।
(b) इन नैतिक मुद्दों के आलोक में, मानवता के कल्याण के लिए इस प्रौद्योगिकी का उपयोग की जाने की कार्यप्रणाली का नैतिक ढांचा प्रदान कीजिए।

जेनेटिंग एडिटिंग द्वारा कोशिकाओं के जीनोम को संपादित कर विशेष लक्षित रोगों का निवारण किया जाता है।

(a) जीनोम एडिटिंग से संबंधित नैतिक चिंतायें :-

→ प्राकृतिक नियमों की अवहेलना :- प्रकृति के नियमों में अतिक्रमण होगा

→ संधारणीयता का मुद्दा :- कम RED के कारण व दीर्घगामी प्रभावों के बारे में कम जानकारी

Don't write anything this margin

→ समान पहुँच :- संविधान के विभिन्न नैतिक प्रावधान- समता, स्वतंत्रता आदि की समझदारी

→ बायोमेडिकल नीतिशास्त्र :- इनके वैज्ञानिकों तथा अन्य पेटेंट धारकों द्वारा एकाधिपत्य हासिल करना।

→ प्रायोगिक स्तर हेतु वंचित व निर्धन लोगों पर औषधीय परीक्षण करना (जैसे- सरोगेसी का वाणिज्यीकरण)

(b) मानवता के कल्याण हेतु इस तकनीकी प्रयोग हेतु नैतिक ढांचा:-

→ लाभों की समान व न्यायिक पहुँच :- बिना भेदभाव के निष्पक्षता से जीन संपादन तकनीकी की पहुँच व लाभ को निचले वर्गों तक पहुँचाना।

→ आवश्यकता आधारित उपयोग :- अधिक क्रिटिकल रोगी हेतु पहले पहुँच (वंचित वर्ग के प्रति करुणा की भावना)

→ अनुसंधान व विकास में पारदर्शिता :-
जीन एडिटिंग पदार्थों के निर्माण संबंधित सूचना का प्रकटीकरण करना। ताकि R&D में अधिक विकास हो।

→ जागरूकता :- इसके प्रयोग के संबंध में जागरूकता, प्रचार-प्रसार।

→ जीन एडिटिंग क्षेत्र में कोड ऑफ कंडक्ट (नीतिपरक आचार संहिता) एवं आचरण संहिता को लागू करना चाहिए।

→ मेडिकल अभ्यासकर्ताओं हेतु भी नैतिक नियमों को निर्धारित करना।

∴ इन सभी उपायों द्वारा इस प्रौद्योगिकी के प्रयोग से मानवता का कल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है, ताकि अनुवांशिक विकारों से होने वाले मौतों को कम किया जा सके।